भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

जनसंदेश टाइम्स

दिनांक :23.12.2018

आईआईटी दीक्षांत समारोह 29 को

आयोजन

विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को दी जाएगी करीब 1190 उपाधियां

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू का सातवां दीक्षांत समारोह 29 दिसम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे स्वतंत्रता भवन में होगा। दीक्षांत अभिभाषण रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन नयी दिल्ली के अध्यक्ष डा. जी. सतीश रेड्डी देंगे। दीक्षान्त समारोह में विविध पाठ्यक्रम में सर्वोच्च अंक प्राप्त स्नातकों को आईआईटी बीएचयू व इंडोमेंट स्वर्ण पदक प्रदान किया जायेगा। अपराह्न ढाई बजे से स्नातकों को उपाधि वितरण भी किया जायेगा। इस दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राओं को करीब 1190 उपाधियां प्रदान की जाएगी। इस वर्ष दो छात्रों को उनके द्वारा संस्थान में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए क्रमशः प्रेसीडेन्ट्स स्वर्ण पदक एवं डायरेक्टर्स स्वर्ण पदक से विभूषित किया जायेगा। इसके अलावा छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों में अपनी मेधा योग्यता प्रदर्शित करने के लिए वर्ष 2018 में 38 छात्रों को आईआईटी बीएचयू एवं 36 छात्रों को इंडोमेंट स्वर्ण पदक से विभूषित किया जायेगा। इसी क्रम में दो छात्रों को इंडोमेंट रजत पदक से भी विभूषित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह संबंधित पूर्ण विवरण संस्थान के वेबसाइट www.iitb-hu.ac.in <http://www.iitb-hu.ac.in/> पर उपलब्ध है। दीक्षान्त समारोह का पूर्वाभ्यास 28 दिसम्बर को अपराह्न चार से स्वतन्त्रता भवन में आयोजित है।

खाद्य तेल के अपशिष्ट से तैयार करें उपयोगी उत्पाद

संगोष्ठी

आईआईटी बीएचयू में दी गयी खाद्य तेल उद्योग में गुणवत्ता सुधार की जानकारी

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने कहा कि खाद्य तेल उद्योग के प्रसंस्करण में अपशिष्ट कम बने। इस बात को ध्यान में रखते हुए ऐसी तकनीक का विकास किया जाना चाहिए। तकनीक ऐसी हो कि इन अपशिष्टों से विविध प्रकार के उपयोगी उत्पाद भी तैयार हो सके। ताकि वह उद्योग उद्यमियों और किसानों दोनों के लिए लाभप्रद साबित हो सके। वह ऑयल टेक्नोलॉजी एसोसिएशन के 73वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं खाद्य तेल उद्योग में गुणवत्ता सुधार विषयक संगोष्ठी में शनिवार को मुख्य अतिथि थे।

बीएचयू के प्रो. गोपाल त्रिपाठी सभागार में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. जैन ने ने खाद्य तेल उद्योगों के मूल्य संवर्धन पर विशेष ध्यान दिये जाने की जरूरत बतायी, जिससे प्रधानमंत्री के किसानों की आय दोगुना करने के सपने को सफल बनाया जा सके। समारोह में एसोसिएशन ने खाद्य-तेल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए पांच लोगों को राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किये गये। इनके अतिरिक्त एसडी थिरूमला स्मृति पुरस्कार से आईआईसीटी हैदराबाद की डा. केवी पद्मजा, डा. हुसैन जहीर स्मृति पुरस्कार कोलकाता के डा. सुराश्री सेन गुप्ता तथा डा. आरके खन्ना स्मृति पुरस्कार झरना गुप्ता एवं सहयोगियों को तथा डा. शान्तिनाथ घोष स्मृति पुरस्कार डा. सत्यम रेड्डी वासा को सम्मानित किया गया।

एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. आरके त्रिवेदी ने देश में खाद्य तेल उद्योग की वर्तमान परिस्थितियों, संभावनाओं व चुनौतियों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। सम्मेलन के सहसंयोजक एवं केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पीके मिश्र ने स्वागत भाषण दिया। सीएस जोशी ने दो दिन तक चलने वाले विभिन्न तकनीकी सत्रों की जानकारी दी। इस दौरान सहसंयोजक डीएन तिवारी, रमेश आहूजा, केडी यादव, राजेश गेरा, राजेश श्रीवास्तव, वीपी मनचंदा आदि थे।